VISHWAKARMA UNIVERSITY
Maximising Human Potential

Syllabus for Ph.D. (Sanskrit and Prakrit Studies) Entrance Exam Paper -II

इकाई 1	प्राकृत भाषा का इतिहास : उत्पत्ति एवं विकास

अ. वैदिक (छान्दस्) साहित्य में प्राकृत भाषा के तत्त्व

आ. प्राकृत भाषा के प्राचीनतम स्रोत

इ. प्राकृत व्याकरण एवं भाषातत्त्व

i) प्राकृत व्याकरण - संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया, अव्यय, कारक, कारक-विभक्तियाँ, संधि एवं समास के सोदाहरण सामान्य नियमों का अध्ययन

ii) भाषातत्त्व - ध्वनि परिवर्तन स्वर व्यजंन 'व' श्रुति अनुस्वार, अनुनासिक, विसर्ग, ध्वनितात्विक व्यवहार: समीकरण, विषमीकरण, स्वरभक्ति, व्यत्यय, लोप, आगम आदि ।

ई. प्राकृत भाषा का विकास :

प्रथम युगीन प्राकृत

अ. अभिलेखीय प्राकृत, निया प्राकृत एवं प्राकृत धम्मपद

ब. प्राकृत अंग आगम ग्रन्थों का भाषात्मक परिचय

क. कसायपाहुड, षट्खण्डागम एवं आचार्य कुन्दकुन्द के ग्रन्थों का भाषात्मक परिचय

द्वितीय युगीन प्राकृत

अ. उपांग एवं मूलसूत्र ग्रन्थों की भाषा : औपपातिक, राजप्रनीय,दशवैकालिक, उत्तराध्ययन

ब. मूलाचार, भगवती आराधना एवं तिलोयपण्णत्ति का भाषात्मक परिचय

क. गाथासप्तशती, पउमचरियं वसुदेवहिण्डी का परिचय एवं उनकी भाषा

अर्वाचीन प्राकृत

अ. आगमिक व्याख्या साहित्य : धवला, जयधवला, सुखबोधाटीका एवं शीलांककृत सूत्रकृतांग टीका की भाषा का परिचय ।

ब. सेतुबन्ध, गउडवहो, लीलावईकहा, हरिभद्रसूरि के प्राकृत ग्रन्थों एवं कुवलयमाला कहा का भाषात्मक परिचय,

क. अपभ्रंश भाषा के स्रोत - जोइन्दु, स्वयंभू, पुष्पदन्त की कृतियों की अपभ्रंश भाषा तथा हेमचन्द्रकृत प्राकृत व्याकरण में उद्धृत अपभ्रंश दोहों का अध्ययन

उ. आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास में प्राकृतों का योगदान

ऊ. हिन्दी एवं अन्य प्रातींय भाषाएँ

इकाई 2	विभिन्न प्राकृतों की उत्पत्ति एवं प्रमुख विशेषताएँ

अ. अर्धमागधी प्राकृत

आ. शौरसेनी प्राकृत

इ. महाराष्ट्री प्राकृत

ई. मागधी प्राकृत

उ. पैशाची प्राकृत

ऊ. अपभ्रंश

इकाई 3	प्राकृत आगम एवं व्याख्या साहित्य

अ. अर्धमागधी एवं शौरसेनी आगम साहित्य का इतिहास

आ. आगमिक व्याख्या साहित्य का इतिहास

इकाई 4	**प्राकृत काव्य साहित्य का परिचय एवं इतिहास**
अ. प्रमुख महाकाव्य आ. प्रमुख खण्डकाव्य इ. प्रमुख चरितकाव्य ई. प्रमुख कथाकाव्य उ. प्रमुख चम्पूकाव्य ऊ. प्रमुख मुक्तककाव्य	
इकाई 5	प्राचीन नाटकों में प्रयुक्त प्राकृत एवं सट्टक साहित्य
अ. अश्वघोष एवं भास के नाटकों की प्राकृत आ. मृच्छकटिक, मुद्राराक्षस तथा कालिदास के नाटकों की प्राकृत भाषा इ. प्राकृत सट्टक साहित्य का वैशिष्ट्य	
इकाई 6	**प्राकृत शिलालेखीय साहित्य**
अ. सम्राट अशोक के 14 गिरनार शिलालेखों का अध्ययन आ. सम्राट खारवेल के हाथीगुंफा शिलालेख का अध्ययन	
इकाई 7	**प्राकृत लाक्षणिक साहित्य**
अ. अलंकार शास्त्र आ. कोश शास्त्र इ. प्राकृत के प्रमुख ज्योतिष एवं गणित विषयक ग्रन्थ ई. प्राकृत वैयाकरण एवं उनके ग्रन्थ उ. वृत्त (छन्द) शास्त्र	
इकाई 8	**जैन सिद्धान्तों का विवेचन**
अ. सम्यक् दर्शन आ. ज्ञान मीमांसा इ. तत्त्व मीमांसा ई. कर्म सिद्धांत उ. अनेकान्तवाद एवं स्याद्वाद	
इकाई 9	**प्राकृत के मूल ग्रन्थों का अध्ययन**
अ. आचारांग (प्रथम श्रुतस्कंध प्रथम अध्ययन सत्थपरिण्णा एवं द्वितीय अध्ययन लोगविजय) आ. उत्तराध्ययन (प्रथम अध्ययन - विणयसूयं एवं नवम अध्ययन - नमिपवज्जा) इ. दशवैकालिक सूत्र (1, 2, 3 एवं 4 अध्ययन) ई. प्रवचनसार (कन्दकुन्दाचार्य) : (प्रथम ज्ञानाधिकार) उ. सम्मइसुतं-सन्मतितर्क (सिद्धसेन) सम्पूर्ण ऊ. द्रव्य-संग्रह (नेमिचन्द्र) सम्पूर्ण ए. भगवती आराधना-शिवार्यकृत (प्रथम 1 से 72 गाथाएँ) ऐ. वसुनन्दिश्रावकाचार (प्रथम 1 से 50 गाथाएँ एवं सप्त-व्यसन विषयक 60-87 तथा 101-111	

गाथाएँ)	
इकाई 10	**प्राकृत के मूल काव्य-ग्रन्थों का अध्ययन**

अ. मृच्छकटिक (शूद्रक) केवल प्राकृत भाग (1, 2 एवं 3 वें अंक का प्राकृत भाग)
आ. सेतुबंध (प्रवरसेन) प्रथम आश्वास
इ. वज्जालग्गं (जयवल्लभ) प्रथम चार वज्जाएँ:गाहा,कव्व,सज्जण,दुज्जण एवं नीरवज्जा
ई. गाहासत्तसई (हाल) प्रथम शतक की 150 गाथाएँ
उ. समराइचकहा (प्रथम भव)
ऊ. कुवलयमालाकहा (उद्योतनसूरि) अनुच्छेद 1 से 12
इ. कर्पूरमंजरी (राजशेखर) सम्पूर्ण
ई. पउमचरिउ (स्वयंभू) 21वीं एवं 22वीं सन्धि
ए. णायकुमारचरिउ (पुष्पदंत) प्रथम सन्धि
ऐ. प्राकृत के आधुनिक काव्य-ग्रन्थों का सामान्य परिचय : क. रयणवालकहा, ख. भावणासारो

❖ **संदर्भ ग्रन्थ**

अ. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, प्रकाशन - तारा बुक एजन्सी, वाराणसी, तृतीय संस्करण 2014.

आ. प्राकृत साहित्य का इतिहास - डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, प्रकाशन - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, प्रथम संस्करण 2018.

इ. जैन धर्म का मौलिक इतिहास – आचार्य श्री हस्तिमलजी महाराज, सम्यग्ज्ञान प्रचारक मंडल, जयपुर, प्रथम संस्करण 2010

ई. जैन धर्म और दर्शन - मुनिश्री प्रमाणसागर जी म. प्रकाशन - शिक्षा भारती कश्मीरी गेट, दिल्ली, प्रथम संस्करण 1996.

उ. जैन तत्त्व प्रकाश, ले. पू.श्री. अमोलकऋषिजी महाराज, प्रकाशन - श्री. अमोल जैन ज्ञानालय, धुले, बाईसवां संस्करण 2012.